ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress
E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress
संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

• वर्ष: 29 • अंक : 14 • नई दिल्ली • 16 से 22 अप्रैल 2026 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 2 रूपये

सीबीएसई बोर्ड 10वीं सेशन-1 का रिजल्ट जारी- 93.70फीसदी हुए पास, लड़कियां फिर आगे, त्रिवेंद्रम रीजन टॉप पर; 15 मई से होंगे सेशन 2

राघव चड्ढा ने पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा, सौरभ भारद्वाज ने अशोक मित्तल पर ईडी के छापे और जेड+ सुरक्षा पर पूछा सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की जेड प्लस सुरक्षा को जहां पंजाब सरकार नेक वापिस ले लिया है। वहीं, आप ने सौरभ भारद्वाज ने संभावना जताई है कि केंद्र की भाजपा सरकार राघव को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया करवा सकती है। वहीं, उन्होंने राघव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भाजपा के कहने पर पार्टी को कमजोर करने का काम किया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में लिखे अपने पोस्ट में कहा है, बीजेपी सरकार का टूलबॉक्स इतना प्रेडिक्टेबल है। राघव चड्ढा पर ईडी ने दबाव बनाया, तो डर या लालच में उन्होंने अपनी ही पार्टी (जिसने उन्हें सांसद बनाया) की पीठ में छुरा घोंप दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब सोशल मीडिया पर राघव की आलोचना होने लगी, तो बीजेपी वाले उनके बचाव में उतर आए हैं। आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटाकर उनकी जगह अशोक मित्तल को बना दिया। अब ईडी ने राघव को छोड़कर अशोक मित्तल पर छापा मार दिया। उनके घर और बिजनेस पर रेड की गई।

क्यों राघव को केंद्र सरकार ने दी Z+ सिक्योरिटी

सौरभ ने कहा, केंद्र सरकार ने राघव चड्ढा को Z+ सुरक्षा दे दी। सबकुछ इतना आपस में जुड़ा हुआ लग रहा है। बीजेपी सरकार इतनी बेताब हो गई है कि राघव चड्ढा के लिए आप सांसद अशोक मित्तल पर ईडी से छापेमारी करवा रही है।

क्या आप और राघव चड्ढा के बीच का विवाद

बता दें कि सौरभ भारद्वाज ने भले ही अपनी पोस्ट में राघव चड्ढा को Z+ सुरक्षा मिलने की बात कही है लेकिन खबर लिखे जाने तक इस आरोप की कोई पुष्टि नहीं हुई थी। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) और रायसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच चल रहा विवाद एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। पहले पार्टी ने उन्हें रायसभा में उपनेता पद से हटाया और अब पंजाब सरकार ने उनकी सुरक्षा भी वापस ले ली है। इस घटनाक्रम ने सियासी गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार की महंगाई भत्ता विवाद से जुड़ी याचिका पर सुनवाई टली, अगली सुनवाई 6 मई को

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राय कर्मचारियों को महंगाई भत्ता दिए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन के लिए दायर याचिक पर बुधवार को सुनवाई टल गई। सरकार ने कर्मचारियों के डीए पेमेंट की समय सीमा बढ़ाने की मांग की है लेकिन इस मामले में बुधवार को सुनवाई नहीं हो पाई। अब इस मामले की अगली सुनवाई 6 मई को होगी। यह पूरा मामला पश्चिम बंगाल के लाखों कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के भुगतान से जुड़ा हुआ है। ममता बनर्जी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से समय सीमा बढ़ाने की मांग की है। सरकार का कहना है कि उन्होंने कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए कई कदम पहले ही उठा लिए हैं। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से दलील रखते हुए कहा कि कमेटी की सिफारिशों को मान लिया गया है और करीब 6000 करोड़ रुपये का भुगतान कर्मचारियों को किया जा चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि कमेटी ने बाकी बचे मामलों की जानकारी इकट्ठा करने और आगे भुगतान करने की प्रक्रिया जारी रखने को कहा है, जिस पर सरकार काम कर रही है। इस बीच कर्मचारी संगठनों ने सरकार पर आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन नहीं किया गया है। उन्होंने अदालत में अवमानना याचिका दाखिल कर दी है, जिसमें कहा गया है कि तय समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं किया गया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 5 फरवरी 2026 को एक अहम आदेश देते हुए पश्चिम बंगाल सरकार को 2008 से 2019 के बीच के महंगाई भत्ते के बकाये का 25 प्रतिशत हिस्सा 31 मार्च तक देने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने बाकी 75 प्रतिशत भुगतान के लिए एक विशेष कमेटी भी बनाई थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व जज जस्टिस इंदू मल्होत्रा कर रही हैं। इस कमेटी में तीन पूर्व जज शामिल हैं, जिन्हें यह तय करना है कि बाकी राशि का भुगतान कैसे और कब किया जाएगा। कोर्ट ने साफ कहा था कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों का वैधानिक अधिकार है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली के आईटीओ चौक पर खत्म होगी जाम की समस्या, सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली।

सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले समय में आईटीओ चौक पर लोगों को जाम से कुछ राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गत दिनों बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से इस चौराहे पर जाम की समस्या कम करने के बारे में पूछा है, उन्होंने जानकारी ली कि यहां के जाम को दूर करने के लिए क्या काम हो रहा है। उसके बाद से अधिकारी हरकत में हैं। जल्द ही इसे लेकर अधिकारियों की बैठक होने जा रही है, जिसमें यातायात पुलिस के अधिकारियों को भी बुलाया जाएगा। भाजपा सरकार आने के बाद इस चौक पर जाम को लेकर व्यवहार्यता अध्ययन के निर्देश दिए गए हैं, जिस पर काम चल रहा है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चौक पर जाम काम करने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा हो रही है, किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों से राय ली जा रही है।

आईटीओ चौक पर फ्लाईओवर बनाकर इसे आईपी एस्टेट फ्लाईओवर से जोड़ने की योजना भी प्रमुख रूप से शामिल है। प्रतिदिन छह लाख से अधिक वाहन यहां से आवागमन करते हैं। योजना के तहत एलिवेटेड रोड को डीडीयू मार्ग पर हिंदी भवन की लालबत्ती से आईटीओ चौक पास करते हुए रिंग रोड पर बने आइपी एस्टेट फ्लाईओवर से जोड़ने की योजना है। इसके अलावा यमुनापार से डीडीयू मार्ग आने-जाने के लिए फ्लाईओवर के दोनों ओर रैंप उतारे जाने हैं, जो विकास मीनार के पास से शुरू होकर डीडीयू मार्ग पर हिंदी भवन के पास नीचे उतरेंगे। इसके अलावा चौराहे से तिलक ब्रिज की ओर आना-जाना भी सुगम किया जाना भी योजना में शामिल है। आईटीओ चौराहे पर प्रमुख सरकारी कार्यालय हैं, जिसमें आइसीएआई, आयकर कार्यालय, पीडब्ल्यूडी मुख्यालय, बिक्री एवं कर विभाग मुख्यालय, डीडीए का विकास मीनार भवन, एजीसीआर बिल्डिंग और कई प्रकाशन कार्यालय आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं। भूमिगत मेट्रो तिलक ब्रिज से दिल्ली गेट (बहादुर शाह जफर मार्ग) की ओर चौराहे को पार करती है। बहादुर शाह जफर मार्ग और विकास मार्ग के दोनों तरफ की सड़कों पर भारी यातायात होता है। बड़ी संख्या में कार्यालय, आईटीओ मेट्रो स्टेशन और चार बस स्टैंड के कारण यहां से बड़ी संख्या में पैदल यात्री भी गुजरते हैं। आईटीओ चौराहे पर फ्लाईओवर के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट के संबंध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गत दो अप्रैल और नौ अप्रैल को बैठक हुई थीं। मुख्य सचिव के निर्देश पर 28 अप्रैल को पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने योजना स्थल का निरीक्षण किया था। टीम ने मौके की स्थिति को देखते हुए कई तकनीकी पहलुओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया है, जिसमें भूमिगत मेट्रो लाइन होने का एक पहलू भी शामिल है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राबर्ट वाड्रा को समन, 16 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। उज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी राबर्ट वाड्रा समेत कई आरोपितों को समन जारी किया है। कोर्ट ने वाड्रा और अन्य आठ आरोपितों को 16 मई को पेश होने का निर्देश दिया है। अब कोर्ट द्वारा समन जारी होने के बाद मामले में अगली सुनवाई 16 मई को होगी, जहां सभी आरोपितों को पेश होना होगा। यह समन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने के बाद जारी किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि फिलहाल जांच का दायरा सीमित है और इस चरण में केवल तकनीकी पहलुओं, विशेषकर क्षेत्राधिकार से जुड़े मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। अन्य तर्कों पर आरोप तय होने के दौरान सुनवाई की जाएगी। यह मामला वर्ष 2018 में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें वाड्रा के साथ हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा समेत अन्य को नामजद किया गया था। आरोपों में भ्रष्टाचार, जालसाजी और धोखाधड़ी जैसी धाराएं शामिल हैं। ईडी के अनुसार, वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में 3.5 एकड़ जमीन ओमकारेश्वर प्रापर्टीज से करीब 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी।

बाद में इसी जमीन को रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ को करीब 58 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। एजेंसी को संदेह है कि इस सौदे में हुई भारी कमाई मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा हो सकती है, जिसके चलते धन के स्रोत और लेनदेन की जांच शुरू की गई। ईडी ने 17 जुलाई 2025 को दाखिल पूरक अभियोजन शिकायत में राबर्ट वाड्रा को औपचारिक रूप से इस मामले में आरोपित बनाया था।

द्वारका टनल के ऊपर बनी सड़क से एनएच-8 तक जल्द फर्राटा भर सकेंगे वाहन, ट्रैफिक पुलिस ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली । द्वारका इलाके में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। सेक्टर-21 पैसिफिक मॉल के पास स्थित एलिफेंट चौक से एनएच-8 तक सड़क को नए तरीके से तैयार किया जा रहा है, इससे यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। इस योजना के तहत एलिफेंट चौक पर लगी हाथियों की मूर्तियों को हटा दिया गया है और सड़क का नया अलाइनमेंट तैयार किया है। अब इस रास्ते से वाहन सीधे द्वारका टनल के ऊपर बनी सड़क (सरफेस रोड) से होते हुए एनएच-8 तक जा सकेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने इस मुद्दे को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सामने उठाया था। लगातार प्रयासों और बातचीत के बाद एनएचएआई इस बदलाव के लिए तैयार हुआ। इसके बाद तेजी से काम शुरू हुआ और अब सड़क पर डामर बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य इस व्यस्त इलाके में जाम कम करना और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, इस काम को ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) शिव कुमार और एसीपी ट्रैफिक रविंदर पंडित की निगरानी में शुरू किया गया। टीआई ने इस योजना पर गहन अध्ययन के बाद सुझाव दिया था, जिसे बाद में एनएचएआई और संबंधित एजेंसियों के सहयोग से लागू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह नया रास्ता अगले 10 से 15 दिनों के अंदर यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही, चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने का काम भी किया जा रहा है, जिससे ट्रैफिक और बेहतर तरीके से नियंत्रित हो सकेगा। वहीं, द्वारका सेक्टर-22 स्थित क्लासिक अपार्टमेंट के अध्यक्ष जेबी कौशिक ने बताया कि यातायात पुलिस ने 'प्रोजेक्ट संगम' शुरु किया है। संगम यानी सिस्टमेटिक एक्शन एंड नेटवर्क गवर्नेंस फॉर एरिया मोबिलिटी नामक पहल के तहत वह रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के साथ मीटिंग करती है। ऐसे में एक बैठक में यह मुद्दा उठाया गया था, जिसे स्वीकार लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट लंबे समय से लंबित था और अब इसके पूरा होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जंगल एक यात्रा, जो बाहर से शुरू होकर भीतर अनंत गहराइयों तक पहुँचती है

इस बार कहीं अलग चलते हैं?..... यात्रा अक्सर इसी छोटे से सवाल से जन्म लेती है। पर कुछ यात्राएँ सिर्फ जगह बदलने के लिए नहीं होतीं, वे भीतर के शोर को सुनने, थमे हुए एहसासों को फिर से जगाने और खुद से मिलने का अवसर बन जाती हैं। जंगल..... ऐसी ही एक यात्रा है, जहाँ हर कदम किसी दृश्य की ओर नहीं, बल्कि एक अनुभव की ओर बढ़ता है। जब आप अचानकमार टाइगर रिजर्व जैसे किसी वन्य विस्तार में प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले जो चीज़ महसूस होती है, वह है... यहां की छाई हुई और गहराई असीम शांति का एहसास। यह साधारण शांति नहीं, बल्कि एक गहराई लिए हुए मौन है, जिसमें पक्षियों की पुकार, पत्तों की सरसराहट और दूर कहीं बहती नदी की धीमी ध्वनि मिलकर एक अद्भुत संगीत रचती हैं। शहरों के शोर से दूर, यहाँ प्रकृति अपने मूल रूप में सांस लेती दिखाई देती है। सुबह की पहली किरण जब घने सागौन और साल के वृक्षों के बीच उतरती है, तो ऐसा लगता है जैसे समय थम गया हो। हल्की धुंध के बीच से छनकर आती रोशनी, ओस से भीगी धरती और ताज़ी हवा...ये सब मिलकर मन को एक अजीब सी शांति से भर देते हैं। यही वह क्षण होता है जब इंसान महसूस करता है कि वह प्रकृति का हिस्सा है, उससे अलग नहीं। जंगल का सबसे रोमांचक पहलू है...उसकी अनिश्चितता। जिप्सी सफारी या फिर हाथी की सवारी के साथ के दौरान हर मोड़ एक नई उम्मीद लेकर आता है। कभी हिरणों का झुंड दिखाई देता है, कभी रंग-बिरंगे पक्षियों की उड़ान, और कभी अचानक सामने आ जाता है वह अद्भुत दृश्य-बंगाल टाइगर। बाघ सिर्फ एक जानवर नहीं, बल्कि जंगल की आत्मा है- उसकी उपस्थिति इस बात का संकेत है कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित और जीवित है। भारत में टाइगर रिजर्व केवल पर्यटन स्थल नहीं हैं, बल्कि संरक्षण के जीवंत उदाहरण हैं। प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत देशभर में कई संरक्षित क्षेत्र विकसित किए गए हैं, जहाँ न केवल बाघों की रक्षा की जाती है, बल्कि पूरे जंगल और उसमें बसे जीवन को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। यह पहल हमें यह भी सिखाती है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना कितना आवश्यक है।जंगल की असली खूबसूरती दिन के उजाले में ही नहीं, बल्कि रात की खामोशी में भी दिखती है। जब आसमान तारों से भर जाता है और चारों ओर सन्नाटा छा जाता है, तो लगता है जैसे पूरी प्रकृति किसी गहरे ध्यान में लीन हो। ऐसे क्षणों में, जब आप बोनफायर के पास बैठकर अपनों के साथ बातें करते हैं, तो हर छोटी-छोटी बात भी एक याद बन जाती है....एक ऐसी याद, जो जीवनभर साथ रहती है। अचानकमार टाइगर रिजर्व की वह सघन हरियाली और साल के ऊंचे वृक्षों के बीच से छनकर आती धूप केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि एक रूहानी अनुभव है। जब आप बिलासपुर की हलचल पीछे छोड़कर लोरमी मार्ग से होते हुए अचानकमार की गोद में प्रवेश करते हैं, तो शोर थम जाता है और संवाद शुरू होता है....प्रकृति के साथ और स्वयं के साथ।ये एक ऐसी यात्र है जो इस अनुभव की गहराइयों को समेटने का प्रयास करता है।अचानकमार का जंगल जहां मौन बोलता है और समय ठहर जाता है। जैसे ही गाड़ी पहिए अचानकमार की सीमा को छूते हैं, हवा का मिजाज बदल जाता है। वह शहर की धूल भरी गर्म हवा नहीं, बल्कि आदिम गंध से भरी एक शीतल छुअन होती है। यहाँ साल (सरई) के दरख्त आसमान को छूने की जिद में खड़े हैं, मानो वे धरती और अंबर के बीच कोई प्राचीन संदेशवाहक हों। जंगल में प्रवेश करना ऐसा लगेगा मानो किसी मंदिर के गर्भगृह में पहुंच गए हों। यहाँ हर कदम पर एक रहस्य है। बंदरों की कुलाचें, हिरणों की चौकन्नी निगाहें और हवा में तैरती पक्षियों की चहचहाहटें .... कहीं दूर से आती किसी जानवर जंगल की शांत नीरव सन्नाटे को तोड़ती हुई आवाजें ये सब बताते हैं कि हम यहाँ अतिथि हैं, मालिक नहीं। जब जिप्सी कची पगडंडियों पर धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, तो मन की सारी परतें एक-एक कर खुलने लगती हैं। वह भागदौड़, वह पत्रकारिता का तनाव और वह शब्दों का जाल, सब पीछे छूट जाता है। जंगल हमें सिखाता है। धीमे चलना, ठहरना, और महसूस करना। यहाँ कोई दिखावा नहीं, कोई बनावट नहीं। सब कुछ अपने सबसे सच्चे रूप में होता है। शायद यही कारण है कि जो व्यक्ति एक बार जंगल की इस दुनिया में प्रवेश करता है, वह कुछ न कुछ बदलकर ही लौटता है। वह सिर्फ तस्वीरें नहीं, बल्कि एक एहसास अपने साथ ले जाता है.....एक ऐसा एहसास, जो उसे बार-बार उसी शांति की ओर खींचता है। कुल मिलाकर यही समझ में आता है कि यात्रा केवल नई जगह देखने के लिए नहीं होती, बल्कि खुद को नए सिरे से समझने के लिए होती है। और जंगलज वह एक ऐसा दर्पण है, जिसमें हम अपने वास्तविक स्वरूप को देख पाते हैं। जंगल की यात्रा की सबसे बड़ी खूबी यही है कि यह आपको अकेला नहीं करती, बल्कि आपको एकांत देती है। अचानकमार की उस अनंत नीरवता में जब आप अपनी ही सांसों की आवाज सुनते हैं, तब समझ आता है कि हम कृत्रिम दुनिया में कितने खो गए थे। मनियारी नदी के किनारे पत्थरों पर बैठकर जब आप बहते पानी को देखते हैं, तो वह केवल जल नहीं होता, वह जीवन की निरंतरता का प्रतीक बन जाता है। वहां न कोई पद होता है, न प्रतिष्ठा.....वहाँ आप केवल एक मनुष्य होते हैं, जो अपनी ही आत्मा की गहराइयों को टटोल रहा होता है। अचानकमार के जंगल में शाम का ढलना एक कविता जैसा है। सूरज जब पहाड़ियों के पीछे छिपता है, तो पूरा जंगल एक सिंदूरी चादर ओढ़ लेता है।

सम्पादकीय

विश्व धरोहर दिवस- अतीत की विरासत, भविष्य की जिम्मेदारी

मानव सभ्यता केवल वर्तमान की उपलब्धियों से नहीं बनती, बल्कि वह अपने अतीत की स्मृतियों, परंपराओं और धरोहरों से आकार लेती है। 18 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व धरोहर दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी विरासत केवल पत्थरों से बने स्मारक नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी ऐतिहासिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फैली ऐतिहासिक इमारतें, प्राचीन मंदिर, किले, स्मारक, पुरातात्विक स्थल और सांस्कृतिक परंपराएँ–ये सभी मिलकर मानव इतिहास की एक समृद्ध कहानी कहते हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ हर कदम पर इतिहास सांस लेता है, यह विरासत और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ताजमहल, कुतुब मीनार, अजंता-एलोरा की गुफाएँ, साँची स्तूप–ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा के प्रतीक हैं। लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि आज हमारी अनेक धरोहरें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण के कारण खतरे में हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, अनियोजित विकास और जागरूकता की कमी ने इन अमूल्य धरोहरों को क्षति पहुँचाई है। कई बार हम इन स्थलों को केवल ÷घूमने की जगह÷ मानकर उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अनदेखा कर देते हैं। धरोहरों का संरक्षण केवल सरकार या पुरातत्व विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। जब तक आमजन में इनकी महत्ता के प्रति जागरूकता नहीं होगी, तब तक संरक्षण के प्रयास अधूरे रहेंगे। हमें अपने बच्चों को इतिहास और संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनाना होगा, ताकि वे इन धरोहरों को केवल अतीत का अवशेष नहीं, बल्कि भविष्य की धरोहर के रूप में देखें। इसके साथ ही, आधुनिक विकास और धरोहर संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना भी आवश्यक है। विकास की दौड़ में यदि हम अपनी जड़ों को ही नष्ट कर देंगे, तो हमारी पहचान खो जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि योजनाएँ इस प्रकार बनाई जाएँ, जिनमें विकास और संरक्षण दोनों साथ-साथ चल सकें। युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थलों की सूची तैयार करना और उनके संरक्षण के लिए दिशा-निर्देश देना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता ही नहीं, बल्कि संरक्षण के लिए एक वैश्विक जिम्मेदारी भी तय करता है।

विश्व धरोहर दिवस हमें यह सिखाता है कि विरासत केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। यदि हम अपनी धरोहरों को सहेजकर रखेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहेंगी और अपनी पहचान पर गर्व कर सकेंगी।

गर्मियों में प्रकृतिक तरीके से रखें हाइड्रेशन

गर्मियों के मौसम में पसीने के कारण शरीर से जरूरी मिनरल्स और पानी तेजी से निकल जाते हैं जिसकी बजह से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की दिक्कत हो जाती है / इस मौसम में अपने शरीर को हाइड्रेट करने के लिए पानी के साथ हमें पानी वाले फल , नारियल पानी , नींबू पानी जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का सहारा भी लेना चाहिए हालाँकि कुछ लोग अपनी प्यास बुझाने के लिए कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सहारा लेते हैं जिनमे केमिकल और आर्टिफीसियल फ्लेवोर्स को मिलाकर एक उम्दा स्वाद तैयार किया जाता है और लोग अपने परिवार और मेहमानों को शौक से कार्बोनेटेड ड्रिंक्स पिलाते हैं लेकिन इन ड्रिंक्स के लगातार उपयोग से शुगर और पेट सहित अन्य अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं / गर्मियों के मौसम में शरीर को तरोताजा रखने के लिए अनेक हेल्दी ड्रिंक्स उपलब्ध होते हैं जोकि शरीर में पानी की कमी दूर करते हैं और आपको अन्दर से मजबूत भी रखते हैं /

1 --पानी ----

जब आपको प्यास लगे तो समझिये की शरीर में पानी की कमी पहले ही हो चुकी है / गर्मियों में जब भी आपका शरीर डिहाइड्रेट होना शुरू करता है तो आप आलसी और सुस्त महसूस करने लगते हैं / शरीर में तरल पदार्थों की हल्की सी कमी भी आपका मूड खराब कर सकती है एक दिन में कितना पानी पीना चाहिए इसका कोई पैमाना तय नहीं है / यह आपकी ऊंचाई , बजन , जेंडर, सक्रियता और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है / स्वास्थ्य के माहिरों की माने तो एक आदमी को औसतन 8 -10 गिलास पानी पीना चाहिए/ गर्भवती महिलाओं को 10 गिलास पानी पीना चाहिए जबकि स्तनपान करबाने बाली महिलाओं को कम से कम 12 गिलास पानी पीना चाहिए / दिन में हर दो घण्टे में एक गिलास पानी पीना चाहिए / आपको स्पोर्ट्स ड्रिंक से परहेज करना चाहिए क्योंकि इसमें बिद्यमान तत्व आपका शुगर का स्तर बढ़ा सकते हैं और आपको नुक्सान झेलना पड़ सकता है / स्पोर्ट्स ड्रिंक उन लोगों को पीना चाहिए जोकि जिम आदि में लम्बे समय तक गहन एक्सरसाइज आदि करते हैं और जिन्हे पसीना आता है / पानी में कोई भी शुगर या कैलोरी आदि नहीं मिलाई जाती जिसकी बजह से आप दिन भर पानी पी सकते यही / सादे पानी में खीरा , निम्बू ,पुदीना आदि मिलाकर इसका स्वाद बढ़ाया जा सकता है जिससे इसे पीना सहज हो सकता है / इनके मिलाने से पानी में उचित पौषण और प्रकृतिक सुगन्ध का अहसास होता है तथा शरीर को डिहाइड्रेट करने का यह स्वादिष्ट तरीका भी है / खीरा , निम्बू ,पुदीना का उपयोग त्वचा को स्वास्थ्यबर्धक और आकर्षक बनता है /खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है और इसे प्रकृति ने सबसे यादा हाइड्रेटिंग फूड बनाया है / खीरे में विटामिन सी और के विद्यमान होते हैं जोकि त्वचा के संक्रमण को रोकते हैं और शरीर में कोलेजन उत्पादन को प्रमोट करते हैं पानी की बोतल हमेशा अपने नज़दीक रखिये / दुबारा उपयोग में आने बाली पानी की बोतल अपने साथ रखिए ताकि इसे रिफिल किया जा सके

2- पानी बाले फल ----

गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पानी वाले फलों का सेवन बेहतर होता है क्योंकि इनमे प्रकृतिक शुगर , फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स मौजूद होते हैं / यह हाइड्रेशन के साथ साथ शरीर को गर्मी और सूरज की धूप से होने बाले नुकसान से भी सुरक्षा प्रदान करते हैं / यादातर फलों में पानी की अधिकता के साथ ही विटामिन , मिनरल और एंटीऑक्सिडेंट्स मौजूद होते हैं / तरबूज में 92 प्रतिशत पानी होता है जबकि स्ट्रॉबेरी में 91 प्रतिशत , खरबूजे में 90 प्रतिशत, और आड़ू में 89त्न पानी होता है / यह फल हाइड्रेशन के साथ ही शरीर को विटामिन सी , विटामिन ए , पोटैसियम आदि भी प्रदान करते हैं जिससे शरीर में ऊर्जा मिलती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता विक्सित होती है । आप अपनी दिनचर्या में हल्का सा बदलाब करके इन फलों को रोजाना अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं / आप फ्रूट सलाद या स्नैक्स बना कर सुबह के नाश्ते में ले सकते है / इन फलों को दही , दूध ,सब्जियों आदि में ब्लेंडर से पीस कर स्मूदी बना कर उपयोग कर सकते हो जिससे यह अधिक स्वास्थ्य बर्धक और पौष्टिक बनता है / दोपहर में इन फलों के स्लाइस मिड डे ब्रेक के दौरान ले सकते है / यादातर फलों का ही सेवन करें और अगर आप फ्रूट जूस ले रहे हैं तो आधा कप बेहतर होगा / फ्रूट ड्रिंक या फ्रूट कॉकटेल में सोडियम और चीनी विद्यमान होती है / कोशिश करें की बिभिन्न प्रकार के अलग प्रजातियों के कलर्ड फल ग्रहण करें क्योंकि इनमे न्यूट्रिशन की भरमार रहती है। अपने फ्रिज ने फलों का स्टॉक रखें ताकि यह आपको आसानी से उपलब्ध हों / दिन में दो बार पानी बाले फलों के सेवन की आदत डालें

3 ------नारियल का पानी-

नारियल पानी प्राकृतिक और स्वास्थ्यवर्धक पेय है जोकि शरीर को हाइड्रेट करता है जिससे आप उर्जाबान और एक्टिव महसूस करते हैं / यह ना सिर्फ शरीर को ठंडक देता है बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है, जो ताजगी और ऊर्जा प्रदान करते हैं/ नारियल पानी पीने से थकान और कमजोरी दूर होती है और यह पाचन क्रिया को भी सुधारता है/ नारियल पानी दिन के किसी भी समय पिया जा सकता हैए लेकिन आयुर्वेदाचार्य इसे सुबह खाली पेट पीने की सलाह देते हैं ताकि आपको इसका अधिकतम लाभ मिल सके / नारियल पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी होते हैंए जो स्किन को अंदर से ग्लोइंग बनाने में मददगार है/ सुबह खाली पेट एक गिलास नारियल पानी पीने से त्वचा हेल्दी और आकर्षक बनती है / नारियल पानी में फाइबर होता है जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है/ रोजाना एक गिलास नारियल पानी पीने से पेट को हेल्दी रखने में मदद मिल सकती है / नारियल पानी में 94 प्रतिशत पानी की मात्रा होती है। ये शरीर को जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है / गर्मियों के महीने में आउटडोर एक्टिविटीज / स्पोर्ट्स आदि के बाद नारियल पानी का सेवन काफी लाभदायक माना जाता है क्योंकि इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को हाइड्रेटेड और उर्जाबान रखने में मदद करते हैं।

4 --छाछ

गर्मियों में पुदीना छाछ पीने से पेट शांत रहता है और पाचन क्रिया सही रहती है/ यह शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दोनों प्रदान करता है/ इसमें प्रोटीन, कैल्शियमए और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ.साथ कमजोरी और थकान को भी दूर करते हैं/ छाछ में इलेक्ट्रोलाइट्स तत्व विद्यमान होते हैं जोकि शरीर के वाटर बैलेंस को बनाये रखने में मदद रखते हैं / छाछ में दूध और दही के मुकाबले पानी की मात्रा यादा होती है जबकि फैट और कैलोरी की मात्रा कम होती है / मोनोपौज़ के बाद जिन महिलाओं का स्वभाव चिढ़ चिढ़ा हो जाता है उन्हें निमयित रूप से एक गिलास छाछ का सेवन करना चाहिए / अगर छाछ के खट्टे स्वाद से आप परेशान रहते हों तो इसमें हल्के.फुल्के मसाले और काला नमक मिला कर आप इसे स्वादिष्ट बना लीजिये / छाछ को दोपहर के खाने के साथ पीना सबसे यादा हितकर माना जाता है / इस समय छाछ पीने से ब्लोटिंग, गैस, एसिडिटी से छुटकारा मिलता है/ हम अकसर तला भूना या मसालेदार खाना खाते रहते हैं जिसकी बजह से शरीर के अन्दर का तापमान बढ़ जाता है /छाछ में प्रोबायोटिक्स तत्व मौजूद होते हैं और रोजाना 1 गिलास छाछ पीने से इस समस्या से राहत पाई जा सकती है।

5 ----- आइस्ड हर्बल चाय-

गर्मियां आ गई हैं तो ऐसे में बार बार गरमा.गरम चाय पीना सेहत के लिए नुकसान दायक साबित हो सकता है / ऐसे में आप एंटी.ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर हर्बल चाय ट्राई कर सकते हैं जोकि सेहत और स्वाद दोनों तरफ से बेहतर साबित होगी हर्बल चाय, खासकर मिंट और ग्रीन टी गर्मियों में बहुत फायदेमंद होती है/ यह न केवल शरीर को हाइड्रेट करती हैए बल्कि शांति और ताजगी भी देती है/ हर्बल चाय में शहद या कम चीनी का उपयोग करें ताकि यह यादा हेल्दी रहे/ हर्बल चाय के साथ साथ आप आइस्ड टी भी उपयोग कर सकते हैं जोकि आपको तरोताजा रखेगी / आइस्ड टी में हर्बल चाय के अतिरिकत कुछ कूलिंग और रिफ्रेशिंग चीजों को भी शामिल किया जाता है। दिन में एक हर्बल आइस टी के सेवन से उच रक्तचत , शुगर और तनाव को नियन्त्रित करने में मदद मिलती है / हर्बल आइस टी तुलसी, दालचीनी, मुलेठी, पुदीना , लौंग , काली मिर्च आदि से बनती है / आप कैमोमाइल, पेपरमिंट, या हिबिस्कस की आइस टी बनाकर भी पी सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

अम्बेडकर जयंती पर मंगोलपुरी में निकाली गई शोभा यात्रा

नई दिल्ली।(इंद्रजीत सिंह) मंगोल पुरी, रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के शुभ अवसर पर भारत वर्ष के सुप्रसिद्ध समाज सेवक राजा जाटव द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम शोभा यात्रा की जानकारी प्रेरणादायक है। इस तरह के आयोजन न केवल बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाते हैं, बल्कि समाज में एकता और जागरूकता का संचार भी करते हैं।

कार्यक्रम का भव्य स्वरूप

अपार जनसमूह बाबा साहेब के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए। छ्छ पर भीम गीतों और क्रांतिकारी गीतों के माध्यम से बाबा साहेब के संघर्षों को याद किया गया।

राजा जाटव और गणमान्य अतिथियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।समाज सेवक राजा जाटव ने इस अवसर पर उपस्थित जनसैलाब को संबोधित करते हुए मुख्य बातें साझा की।

शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो, बाबा साहेब के इस मूल मंत्र को जीवन में उतारने पर जोर दिया।

समानता का अधिकार- भारतीय संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों की रक्षा और उनके प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

युवा शक्ति युवाओं से अपील की गई कि वे शिक्षा के माध्यम से समाज और देश के विकास में अपना योगदान दें।

राजा जाटव के नेतृत्व में सजावट और व्यवस्थाएं अत्यंत सुंदर और व्यवस्थित रहीं।जाति और भेद-भाव से ऊपर उठकर राजा जाटव ने इस शोभा यात्रा में हर धर्म हर समाज के लोगों को जोड़कर मानवता की मिशाल पेश की इस आयोजन ने समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाने का कार्य किया।

बाबा साहेब का विजन और समाज सेवा, राजा जाटव जैसे समाज सेवकों द्वारा किए गए ऐसे प्रयास बाबा साहेब के सपनों के भारत को साकार करने में मदद करते हैं

यह वाकई एक सकारात्मक खबर है। दिल्ली के मंगोलपुरी में राजा जाटव के नेतृत्व में निकाली गई इस भव्य शोभा यात्रा की सबसे खास बात इसकी समावेशी प्रकृति रही।

इस यात्रा में एकता और भाईचारे की मिशाल देखने को मिली इस भीम यात्रा में केवल एक समुदाय नहीं,केवल एक धर्म नहीं बल्कि हिंदू, मुस्लिम, सिख,ईसाई, बौद्ध धर्म सहित हर धर्म के लोगों ने हिस्सा लिया। विभिन्न समाजों और जातियों के लोगों का एक साथ आना क्षेत्र में सामाजिक एकता को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने कहा कि पहली बार मंगोल पुरी में किसी युवा पीढ़ी ने सामाजिक समरसता पर दिल से काम किया है मंगोल पुरी का हर व्यक्ति राजा जाटव को दिल से दुआ देता है कि आप इसी प्रकार समाज में कार्य करते रहे मंगोलपुरी के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी शोभा यात्रा में इतनी व्यापक और विविध भागीदारी देखी गई।

नकारात्मकता का अंत ऐसी यात्राएं समाज में मौजूद आपसी भेदभाव और कड़वाहट को कम करने में मदद करती हैं।

युवाओं को प्रेरणा नई पीढ़ी के लिए यह आयोजन एक मिसाल है कि धर्म और समाज को बांटने के बजाय जोड़ने का माध्यम बनाया जा सकता है।

वही सुप्रसिद्ध समाज सेवक राजा जाटव ने कहा कि मैं मंगोलपुरी के हर व्यक्ति का आभारी हूं जो आपने अपना समय का योगदान देकर शोभा यात्रा को इतना विशाल व भव्य बना दिया। वही इस यात्रा को सफल बनाने के लिए दिल से जमीनी स्तर पर काम करने वाले महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अपने सभी सम्मानित साथियों का भी आभारी हूं जिनके नाम

वाल्मीकि समाज के प्रधान- संदीप पार्चा, समाज सेवक- राम कुमार भगत जी, नंद राम बागड़ी,राहुल रुखड़, नीता रुखड़, सोनू मकवाना,अजय गुजराती, सुमित सरासर, सुरेंद्र झिंगाला, रेखा दुग्गल, जसवंत बोहत, बिजेंद्र डेंडवाल, जय प्रकाश जी,राहुल पहलवान,सतीश जाटव, संजय सर,राम बच्चन,राकेश कुमार निगम, प्रेम सिंह उर्फ लाला, गणेश सावरियाँ, नरेंद्र सांवरिया, जीतू सांवरिया, नरेश सांवरिया,अमर सांवरिया,वसीम अब्बास अली खान,राजू फरीद, अनामूलक हक आजाद,यूनिस कुरैशी, अमित चौहान,अवधेश भारती,पुष्पा जाटव, मनीषा अदलान, देवेंद्र कुमार देबू,चंद्रपाल, बृजमोहन,राकेश कुमार, डॉ वी.पी सिंह,नासिर खान, मो.सैफ,अमित सैनी, अमित जाटव,लोकेश चौधरी, निरंजन जाटव,जय प्रकाश,शाहिद चौधरी,उमेश जाटव, नीतू उर्फ सुनीता बहन जी, इब्राहिम खान, संजय प्रॉपर्टीज,राहुल उर्फ गोलू,नरेंद्र सांवरिया, जीतू सांवरिया,राज नावरियां, लोकेश चौधरी,श्री मति शीला जी,अनीता वर्मा,भारती सोनी,राकेश कुमार, ललिता जी, अलीशेर,सनोज रिड़लान, विजय जाटव, राजेश कुमार, नागेन्द्र प्रसाद, नरेंद्र भारद्वाज, डॉ अमित गोदारा,जीतू जाटव,तेज सिंह जी,पवन राणा, बृजभान, धर्मेंद्र जाटव,राकेश जी,इत्यादि

केंद्रीय बलों ने हवाई अड्डा जाते समय मेरी कार की तलाशी लेने की कोशिश- ममता बनर्जी

बंगाल । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि जब वह दिन में कोलकाता हवाई अड्डा जा रही थीं, तभी केंद्रीय बलों ने उनकी कार की तलाशी लेने की कोशिश की। मुख्यमंत्री से पहले, उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने उसके नेताओं के वाहनों की गहन तलाशी लेने का आदेश दिया है। बनर्जी ने उत्तर दिनाजपुर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर केंद्रीय बलों में हिम्मत है, तो वे हर दिन उनकी कार की जांच कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं आज कोलकाता हवाई अड्डा जा रही थी तो

केंद्रीय बलों ने मेरी कार की तलाशी लेने की कोशिश की। अगर आपमें हिम्मत है, तो आप हर दिन मेरी कार की जांच करें। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि केवल उसके नेताओं, विशेष रूप से अभिषेक बनर्जी के वाहन की निर्वाचन आयोग के निर्देशों के आधार पर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा सघन तलाशी के लिए चुना गया है। सत्तारूढ़ पार्टी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा, इस तरह की गहन जांच के लिए केवल उनकी पार्टी के नेताओं को ही क्यों चुना जा रहा है जबकि अन्य को बख्शा जा रहा है यह चुनिंदा तरीके से निशाना बनाने का एक स्पष्ट मामला है। तृणमूल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

टीएमसी से पाई पाई वसूल करेगी बीजेपी- शाह

बंगाल । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संकल्प जताया कि भाजपा, तृणमूल कांग्रेस द्वारा भ्रष्टाचार के माध्यम से बंगाल की जनता से लूटी गई एक-एक पाई वसूल करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद भी भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है। उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सत्ता से जाना निश्चित है, लेकिन इस प्रक्रिया को शुरू करने का काम राय के उत्तरी क्षेत्रों से शुरू होगा। शाह ने कहा, मोदी ने गुजरात पर 12 साल शासन किया और केंद्र में भी पिछले 12 साल से नेतृत्व कर रहे हैं; फिर भी उनके खिलाफ एक पैसे तक का किसी भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। शाह ने रैली में कहा,बंगाल

में भाजपा को सत्ता में लाएं और तृणमूल नेताओं द्वारा लोगों से लूटे गए एक-एक पैसे को ब्याज समेत वसूला जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने के बाद तृणमूल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जिन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले में 300 करोड़ रुपये हड़पे और उत्तर बंगाल के लिए केंद्र द्वारा स्वीकृत बाढ़ राहत कोष से 100 करोड़ रुपये चुराए। शाह ने कहा, उत्तर बंगाल तीन टी के लिए जाना जाता है-टी (चाय), टिंबर (लकड़ी) और टूरिम (पर्यटन)। लेकिन ममता बनर्जी ने इसमें एक चौथा टी जोड़ दिया है-भाजपा कार्यकर्ताओं के टीअर्स (आंसू), जिन्होंने तृणमूल के गुंडों के हाथों असहनीय पीड़ा झेली है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद सरकार तृणमूल के गुंडों को खोजने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने का अपना काम पूरा करेगी। उत्तर बंगाल केंद्रित कई विकास योजनाओं की घोषणा करते हुए शाह ने कहा कि राय में सरकार बनने के बाद पार्टी चाय बागान श्रमिकों को भूमि स्वामित्व प्रदान करेगी, जिससे वे भूखंडों के मालिक बन जाएंगे। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भी इन योजनाओं का वादा किया है।

डॉ, अंबेडकर जन्मोत्सव पर निकाली भव्या शोभा और धम्म यात्रा

नई दिल्ली। (ए.के, चौधरी) दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान, अजमेरी गेट से बाबासाहेब डॉक्टर अंबेडकर जन्मोत्सव कमेटी दिल्ली (रजि.) के तत्वाधान में बाबा साहब के 135 वे जन्म दिवस के उपलक्ष में एक विशाल धम्मसभा एवं भव्य विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया । शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में बाबा साहब डॉ अंबेडकर जी के जीवन संघर्षों पर आधारित मनमोहक झांकियां, जिसके साथ बैंड बाजे, नफीरी वाले, ढोल तांशे और नगाड़े पर भंगड़ा करते हुए बाबा साहब के अनुयाई शामिल हुए । शोभायात्रा रामलीला मैदान से आरंभ होकर अजमेरी गेट, श्रद्धानंद मार्केट, बारा टूटी, पहाड़ी धीरज, मानक पुरा, शीदी पुरा, देशबंधु गुप्ता रोड, देव नगर, आर्य समाज रोड, रैगर पुरा होते हुए अंत में डा. अम्बेडकर भवन पहाड़गंज पर पहुंची । शोभा यात्रा के मार्ग में जगह पर फूलों की वर्षा करके बाबा साहब के अनुयाइयों द्वारा स्वागत किया गया, साथ ही बाबा साहब के अनुयाइयों ने बड़ी संख्या में स्वागत मंचों जिसमें जल पान व छवील की व्यवस्था कर रखी थी। शोभायात्रा में हजारों नर नारियों और युवाओं ने बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर जी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा का उदघोष करते रहे । मंच पर गायक विनोद जी (अशोक नगर) मंडली द्वारा बाबा साहब जी से संबंधित सुंदर गीतों ने बाबा साहब के अनुयाइयों का मन मोह लिया।

समारोह में दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री मान्य राजकुमार आनंद जी, पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय संजीव कुमार जी, विधायक मान्य प्रवेश रतन जी, विधायक मान्य आले मोहम्मद इकबाल जी, पूर्व विधायका मान्या बीणा आनंद जी, निगम पार्षद मान्या उर्मिला महेंद्र गौतम जी, मान्य सी एस भंडारी जी अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा, मान्य गोपाल कृष्ण जी अध्यक्ष श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर ट्रस्ट, मान्य सी एस भंडारी जी अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा दिल्ली, मान्य आनंद लाल जी वरिष्ठ समाज सेवक, मान्य महेंद्र गौतम जी वरिष्ठ समाज सेवक मान्य चकित रवि जी चेयरमैन ऑल कैन स्माइल फाउंडेशन, मान्य नीटू शर्मा जी वरिष्ठ समाज सेवक, मान्या निधि खींची जी समाज सेविका (पूर्व मेयर मान्य महेश खींची जी की अर्धांगिनी) आदि -आदि ने इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अपने-अपने विचार रखे । मान्य राजकुमार आनंद जी ने बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर जी के जीवन संघर्ष को बिस्तार से रखा और कहा कि अगर बाबा साहब नहीं होते तो आज हमारी स्थिति बहुत दयनिय होती ।

संजीव कुमार जी ने भी बाबा साहब के जीवन संघर्ष के साथ समाज को शिक्षा की ओर ज्यादा ध्यान देने की बात रखी । भंडारी जी ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि देश में अव अम्बेडकर बाद की जरूरत है हमें बुद्ध धम्म के रास्ते पर चलना होगा । वहीं आंनद लाल जी ने भी बाबा साहब जी के जीवन संघर्ष को याद करते हुए कहा की यह समय हमें संगठित होने का है साथ ही बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ाने का है पर जव भी समाज को मेरी आवश्यकता होगी में चौबिसों घंटे समाज के प्रति समर्पित रहुंगा।

कमेटी के महामंत्री मान्य उत्तम सिंह ने मंच का सफल संचालन करते हुए बाबा सहाव के प्रति अपने विचार रखने से पहले पुष्पांजलि अर्पित की । अभिरक्षक मान्य जय सिंह भारती जी व अध्यक्ष मान्य हंसराज हंस जी ने भी बाबा साहब को पुष्पांजलि देते हुए अपने विचार रखे ।

समारोह में कमेटी के निम्न पदाधिकारीयों व सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

जय सिंह भारती (अभिरक्षक), हंसराज हंस (अध्यक्ष), उत्तम सिंह (महासचिव), भगवान दास नागर (कोषाध्यक्ष),सदस्य गण :- प्रकाश चौधरी, मोहनलाल मिमरोट, अनिल कदम, मुकेश कुमार गौतम, घनश्याम, दिनेश कुमार, एच के मानक, सूरजभान कर्दम, जयकिशन भारती, अरविंद कुमार गौतम, प्रदीप कुमार ।

स्वेच्छा से बिशेष सहयोगियों में एडवोकेट अरविंद कुमार, होपेंद्र प्रकाश विकल।

होर्मुज पर नरम पड़े ट्रंप, ईरान के साथ 2 हफ्ते और सीजफायर बढ़ाने पर बन सकती है सहमति

नई दिल्ली।

होर्मुज में अमेरिकी ब्लॉकेड के बीच राष्ट्रपति ट्रंप के तेवर ईरान को लेकर थोड़े नरम पड़ते हुए दिख रहे हैं. पाकिस्तान के दोबारा ईरान के साथ बैठक होने की खबरों के बीच अब ये रिपोर्ट सामने आ रही है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दो हफ्ते और सीजफायर बढ़ सकता है. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और परमाणु हथियारों के मामले पर दोनों ही देशों के बीच तकरार बढ़ गई थी, लेकिन इस ताजा घटनाक्रम से तनाव कम होने की उम्मीद की जा रही है. न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को बढ़ाने के मामले पर अहम अपडेट मिला है. मध्यस्थों की कोशिशों में प्रगति हुई है, क्योंकि उम्मीद है कि दोनों विरोधी पक्ष जल्द ही बातचीत कर सकते हैं. अमेरिका-ईरान ने सीजफायर बढ़ाने के मामले पर सहमति भी जता दी है. अगर दोबारा दोनों देशों के बीच बात हुई तो तीन मुद्दे शामिल होंगे. इसमें पहला मुद्दा परमाणु कार्यक्रम का है. वहीं दूसरा पॉइंट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़ा है. तीसरा मुद्दा मुआवजे को लेकर है. अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के करीब हैं. उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर वे अभी पीछे हट जाएं, तो ईरान को दोबारा खड़े होने में 20 साल लग जाएंगे. ट्रंप का यह रिएक्शन उस बयान के कुछ घंटों बाद आया, जिसमें 'यूएस सेंट्रल कमांड' ने कहा था कि नाकेबंदी के पहले 24 घंटों में ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों से आने-जाने वाले सभी यातायात को सफलतापूर्वक रोक दिया गया है. ट्रंप ने ईरान के मसले पर हाल ही में चीन से भी बात की. उन्होंने कहा, मैंने शी जिनपिंग को पत्र लिख कर अनुरोध किया था कि ईरान को हथियार न दे, उन्होंने भी मुझे चिट्ठी लिखकर कहा कि वे ऐसा नहीं कर रहे हैं. अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं, तो हमें कुछ समय तक उनके साथ रहना पड़ेगा, लेकिन मुझे नहीं पता कि वे कब तक टिक पाएंगे.

पुलिस ने छह बांग्लादेशियों को पकड़ा, मुठभेड़ के बाद हुई गिरफ्तारी, दोनों तरफ से चली गोलियां

नई दिल्ली ।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सरिता विहार इलाके में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए छह बांग्लादेशी नागरिकों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस और आरोपियों के बीच हुई गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र

प्रिय पाठक, विज्ञापन दाता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखो को न भेजे।
संपादक: विजय कुमार

अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते हैं।
Account Holder Name: ASHOKA EXPRESS

कुल की फातिहा के साथ पांच दिवसीय उर्स का समापन

भटनी देवरिया।

दरबारे मौला अली भटनी शरीफ में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़, अमन-चैन की मांगी दुआ

दरबारे मौला अली भटनी शरीफ में आयोजित हज़रत अलाउद्दीन शाह के पांच दिवसीय उर्स का समापन कुल की फातिहा के साथ संपन्न हो गया। उर्स के अंतिम दिन बड़ी संख्या में दूर-दराज से आए जायरीन ने मजार पर चादरपोशी की, धूप-अगरबत्ती व फल अर्पित कर अपनी-अपनी मन्नतें मांगीं। दरगाह के सजादानशीन एडवोकेट अमजद अली उर्फ तमन्ना ने सभी की सलामती, खुशहाली एवं मुल्क में अमन-चैन के लिए दुआ की। उन्होंने उपस्थित लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और सभी धर्मों के बीच प्रेम व सौहार्द कायम रखने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व विधायक गजाला लारी,नितेंद्र सिंह, शिवाजी राय, वसीम अकरम, इमरान खान, अफरोज अलाउद्दीन,अजय यादव, कैप्टन जयराम यादव,विजय जुआठा, राकेश सिंह राठौड़,विपुल तिवारी, शमशाद मलिक,डब्लू लाल श्रीवास्तव, श्रद्धानंद महाराज,मौनी बाबा,जुबेर अहमद, डॉ. अनिल पांडेय, राकेश सिंह,अशरफ अंसारी, सुनैना सिंह कुशवाहा, संजय मिश्रा, सचिदानंद ठाकुर, महेश्वर मिश्र, झारखंडी शुक्ला, कन्हैया दीक्षित, लालमती देवी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

क्षेत्र का विकास मेरा सपना, विधायक निधि का एक एक पाई जनता को समर्पित- विरेंद्र चौधरी

फरेंदा, महराजगंज। हमारी कोशिश है कि विधायक चुनकर जनता ने जो हमें अधिकार दिया है,उसका शत प्रतिशत सद्पयोग अपने विधानसभा क्षेत्र और अपनी जनता के लिए करूं। यह बात क्षेत्रीय कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने बृजमनगंज ब्लाक अंतर्गत हरैया मौलाही में करीब 438.30 मीटर सीसी रोड के पूजन के अवसर पर कही। यह सड़क पीडब्ल्यु डी सड़क से रिटायर्ड प्राचार्य नरेंद्र श्रीवास्तव के घर तक बनेगी। 40.90 लाख की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण हेतु भूमि पूजन के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष का विधायक होते हुए भी मैंने शासन से अन्य वित्तीय मदों से धन लगाकर क्षेत्र के विकास कार्यों में लगाया है। इस सड़क का निर्माण पूर्वांचल विकास निधि जिलांश 2025-2026 के मद से हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने ठेकेदारी प्रथा में व्याप्त एकाधिकार को खत्म कर गांव गांव में बेरोजगार युवकों को काम सौंप कर कुछ हद तक उन्हें रोजगार देने का भी काम किया है। विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि गांवों में सड़क, बिजली के जर्जर तार, शुद्ध पेयजल,गरीब बीमार लोगों को सरकारी इमदाद आदि मदों में सर्वाधिक धन प्रदान कर लोगों के मूलभूत समस्याओं के निदान पर ध्यान दिया हूं। उन्होंने कहा क्षेत्र की समस्याओं का अंत नहीं है। मुझसे पहले के जनप्रतिनिधि इसके समाधान पर थोड़ा भी ध्यान दिए होते तो जरूर समस्याएं कुछ कम हुई होती। कहा कि फरेंदा विधानसभा क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा बाढ़ ग्रस्त है। अपने विधायक निधि से मैंने उस पर काम किया है,आपका आशीर्वाद मिला तो इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने को है,सब करके आपको समर्पित करने का काम करुंगा। रिटायर्ड प्राचार्य नरेंद्र श्रीवास्तव और गांव के तमाम वरिष्ठ जनों ने विधायक वीरेंद्र चौधरी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान विनोद गुप्ता, पूर्व प्रधान भगवान दास, पूर्व प्रधान राजदेव, प्रधान मदन गोपाल यादव, सुदामा प्रसाद, पूर्व प्रधान राम बहाल भारती, शशिकांत जायसवाल ,बगेडू, सप्पू यादव, मारूफ सहित गांव के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि, शिक्षा के संदेश पर जोर

कुशीनगर।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सोगरा पब्लिक ट्रस्ट के डायरेक्टर व पत्रकार मोहम्मद सरफराज सागर ने उन्हें देश के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनकी पैदाइश हिंदुस्तान के लिए एक नज़ीर है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सम्मान हर भारतीय के दिल में सदैव बना रहना चाहिए। उन्होंने आंबेडकर के शिक्षा संबंधी संदेश को याद करते हुए कहा कि शिक्षा ही अन्याय और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत देती है। गौरतलब है कि डॉ. आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था और वे भारतीय संविधान के निर्माता व भारत रत्न से सम्मानित महान व्यक्तित्व थे।

सशक्तिकरण की पहल- 17 छात्राओं को साइकिल वितरण

कुशीनगर।

समाज कल्याण विभाग की अनुसूचित जनजाति बालिका यूनिफार्म एवं साइकिल योजना के तहत पडरौना स्थित होटल शिवराम पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में 17 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। साइकिल वितरण सदर विधायक मनीष जायसवाल के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा किपढ़ेंगी बेटियां, बढ़ेंगी बेटियां के संकल्प के साथ सरकार बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने छात्रवृत्ति योजना, यूनिफार्म एवं साइकिल योजना, सामूहिक विवाह योजना, धरती आभा योजना और जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इनका उद्देश्य वंचित वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा व आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में छात्राओं के अभिभावक, संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि, अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रेन से कट कर एक युवक की मौत

कप्तानगंज । बुधवार को एक रेल हादसे में झझवा गांव के समीप रेलवे ट्रेक पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि युवक का शरीर दो हिस्सों में बट गया । घटना कप्तानगंज रेलवे स्टेशन के निकट झझवा गांव के पास दोपहर लगभग 2:00 बजे हुई प्रत्यक्ष सदस्यों के अनुसार लगभग 19 वर्षीय युवक अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया घटना इतनी तेजी से हुई कि उसे संभालने का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल रेलवे पुलिस को सूचना दिया। रेलवे पुलिस ने थाना कप्तानगंज पुलिस को अवगत कराया सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव का पंचनामा बना कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के कारीतिन निवासी एक व्यक्ति की हुई है ।

एक आलम है सना ख्वां आपका- जाबिर हुसैन सिद्दीक़ी, बस्तवी

बर्रेसग़ीर हिन्दुस्तान में, बिहार में बिहार शरीफ (नालंदा) एक ऐसी जगह है जो जुग़राफियाई (भौगोलिक) एतबार से पूरी दुनिया में इसलिए मकाम-ए-बुलंद रखती है, क्योंकि इसी खित्त-ए-अर्ज़ पर मखदूम-ए-जहाँ मखदूम शरफुद्दीन अहमद यह्या मुनेरी का मरकद-ए-फ़ैज़ रसां है। जहाँ सुबह से शाम तक हज़ारों तश्नगाने-उलूम-ओ-फुयूज़ (ज्ञान के प्यासे) आपकी बारगाह में आकर इक़्तिसाब-ए-फ़ैज़ करके पूरी दुनिया में तश्नगाने-उलूम- ओ-फुनून को आसूदा करते हैं। इसी खित्त-ए-अर्ज़ पर एक ऐसी शख्सियत, जो न सिर्फ एक इंशा-परदाज़ (लेखक), एक साहिब-ए-कलम और सहाफियाना (पत्रकारिता) खूबियों से सरशार गुज़री है, उन्हीं का नाम हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक है। जो बैक-वक़्त सिलसिला-ए-कादरिया के अलावा चिश्तिया और बहुत सारे सलासिल के मजाज़-ओ-खलीफा होने के साथ-साथ उलूम-ए-ज़ाहिर के एक ऐसे मीनार-ए-नूर गुज़रे हैं, जिनके दर्जनों शागिर्द और दर्जनों मुरीदीन-ओ- मुअतकिदीन हिन्दुस्तान के मुख्तलिफ सूबों में, मुख्तलिफ इलाकों में इल्म-ओ-फज़्ल का लोहा मनवा रहे हैं। हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक बा-ज़ात-ए- खुद एक ज़बरदस्त आलिम, एक फकीह, एक साहिब-ए - कलम और सहाफियाना खूबियों व तबियत के मालिक थे। हाल ही में, एक ऐसे इंसान गुज़रे हैं जो अपनी गूँ-ना-गूँ (विविध) खूबियों और सलाहियतों की वजह से एक नहीं बल्कि बहुत दिनों तक याद किए जाते रहेंगे और बिहार की सारी खानकाहों में उनका ज़िक्र-ए-जमील होता रहेगा। चूंकि उन्होंने अपनी ज़ात से बेहिसाब शागिर्दों को तैयार किया और बेहिसाब मुरीद-ओ-मुतवस्सलीन को तरीकत का जाम

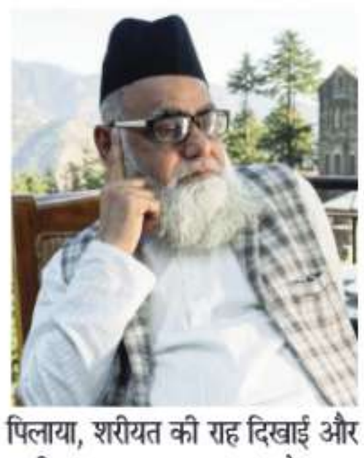

पिलाया, शरीयत की राह दिखाई और हकीकत व मआरफ़त के गुर सिखाए। बा-ज़ात-ए-खुद एक ज़बरदस्त आलिम-ए-दीन, जामे-मन्कुलात, एक अज़ीम शख्सियत जिनका नाम उंगलियों पे गिना जाता रहेगा। यूँ तो अल्लाह तबारक-ओ-ताला ने बिहार की धरती पर एक नहीं हज़ारों लोगों को पैदा किया है, जिन्होंने दीन और सुन्नियत की खिदमत में एक लम्हा भी फरोगुज़ाश्त (कमी) नहीं किया है। मगर ममदूह हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक इसलिए काबिल-ए- ज़िक्र हैं कि अल्लाह तबारक- ओ - ताला ने उनके अंदर बैक-वक़्त सारी खूबियाँ अता फरमाई थीं। वह एक ज़बरदस्त आलिम भी थे, ज़बरदस्त इंशा-परदाज़ भी थे, ज़बरदस्त खतीब (वक्ता) भी थे और एक बहुत बड़े सूफी और खानकाही आदाब-ओ-रसूम के माहिर भी थे। जिनके मुरीदीन हिन्दुस्तान के तूल-ओ-अर्ज़ (कोने-कोने) में बिखरे हुए हैं और मसलक-ए-हक की खिदमत में मसरूफ-ए-अमल हैं। आज जब वह हमारे दरमियान हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक मौजूद नहीं हैं, तो उनकी गुफ्तगू, उनकी तहरीरें, उनकी किताबें, उनकी तसनीफात, उनकी तदवीनात, उनकी तालीफ़ात और उनकी सारी काविशें निगाहों के सामने हैं, जो हिन्दुस्तान की अज़ीम और बड़ी से बड़ी लाइब्रेरियों की ज़ीनत बनी हुई हैं। उनकी ज़िंदगी हमेशा लोगों को जाम-ए - इश्क-ए-रसूल पिलाने में गुज़री और उनके पास उनकी सोहबत में बैठने वाले लोग हमेशा अल्लाह और उसके रसूल की रज़ा के लिए अपनी ज़िंदगी गुज़ारने के लिए मसरूफ-ए-अमल रहे। हज़रत ने बेपनाह तबलीगी दौरे फरमाए। बिहार, झारखंड, उड़ीसा, बंगाल, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आपके बहुत सारे मुरीदीन-ओ-मुतवस्सलीन हैं, जो मसरूफ-ए-खिदमत -ए- दीन -ए-मतीन हैं और सिलसिला-ए-चिश्तिया,क़ादिरया की तबलीग-ओ- इशाअत में हर वक़्त लगे रहते हैं। यह सोहबत - ए-तासीर है हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक साहब की। जो आज हमारे दरमियान तो नहीं हैं, लेकिन उनका यह फ़ैज़ जारी रहेगा और उनके पास बैठने वाले लोग हमेशा उनको याद करने पर मजबूर रहेंगे। चूंकि वह कभी मुदाहनत (चापलूसी) और कासा-लेसी के करीब न गए, बल्कि हमेशा हक बोलते रहे, हक सुनते रहे और दीन-ओ - सुन्नियत का पैगाम लोगों में आम करते रहे और कभी इसकी परवाह नहीं की कि कौन क्या कहेगा? उन्होंने वही किया जो उसके अल्लाह और उसके रसूल की रज़ा है और उसी पर ज़िंदगी गुज़ारी, जो अल्लाह और उसके रसूल को राजी करने के लिए एक मोमिन का तरीका-ए-कार होता है। अल्लाह ताला हज़रत अल्लामा सैयद रुकनुद्दीन असदक के दरजात बुलंद फरमाए। वह असागिर-नवाज़ (छोटों पर कृपा करने वाले) भी थे और अपने ज़माने के ज़बरदस्त खतीब भी थे, आलिम थे, उलेमा-नवाज़ भी थे और फसाहत (वाकपटुता) का तो यह हाल था कि अगर उन्हें हिन्दुस्तान का साहिब-ए-लिसान कहा जाए तो कतई तौर पर बेजा न होगा। अल्लाह ताला ब-तुफैल-ए-मोहम्मद-व-आल - ए-मोहम्मद उनको हमेशा कुर्ब- ए - खास में रखे और उनके दरजात को बुलंद फरमाए।

देश के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालयों को पट्टे पर लेने की मांग जनवरी-मार्च में 24फीसदी घटी-

नई दिल्ली।

देश के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालयों को पट्टे पर लेने की शुद्ध मांग जनवरी-मार्च तिमाही में 24 प्रतिशत घटकर 1.151 करोड़ वर्ग फुट रह गई। कम मांग और आपूर्ति संबंधी बाधाएं इसकी मुख्य वजह रही। रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड के अनुसार, पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 1.508 करोड़ वर्ग फुट था। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कॉरपोरेट के विस्तार की गति आगे धीमी हो सकती है,

हालांकि भारत में मध्यम से दीर्घकालिक मांग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। जनवरी-मार्च तिमाही में कार्यालय परिसरों के निर्माण में देरी के कारण पहले से तय मांग का वास्तविक क्रियान्वयन सीमित रहा।

देश के आठ प्रमुख शहरों में सकल पट्टा मांग 13 प्रतिशत बढ़कर 2.189 करोड़ वर्ग फुट हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1.93 करोड़ वर्ग फुट थी। ये आठ शहर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद हैं। कुशमैन एंड वेकफील्ड के कार्यालय एवं खुदरा के मुख्य कार्यकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया, अफ्रीका तथा एशिया-प्रशांत) अंशुल जैन ने कहा कि भारत का कार्यालय बाजार 2025 की गति को इस वर्ष की पहली तिमाही में भी बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि कुल पट्टा मांग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) प्रमुख मांग चालक बने हुए हैं। जैन ने कहा, यह निरंतर मांग अब बाजार की तंग परिस्थितियों में तब्दील हो रही है, जिससे रिक्तियों का स्तर लगातार घट रहा है जो प्रमुख बाजारों में, विशेष रूप से उच्च गुणवत्ता वाली संपत्तियों में मांग-आपूर्ति के निरंतर असंतुलन को दर्शाता है। आगे के परिदृश्य पर उन्होंने कहा कि लगभग 6.1 करोड़ वर्ग फुट नई पेशकश बाजार में आएगी। जैन ने साथ ही कहा, वैश्विक अनिश्चितताओं से...निकट अवधि में विस्तार की गति प्रभावित हो सकती है लेकिन भारत में मूलभूत मांग मजबूत बनी हुई है।

मार्च में महंगाई दर बढ़कर 3.88फीसदी हुई, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का दिखा असर

बिजनेस डेस्क । देश में थोक महंगाई लगातार पांचवें महीने बढ़ते हुए मार्च 2026 में 3.88 फीसदी पर पहुंच गई। यह फरवरी के 2.13 फीसदी और पिछले साल मार्च के 2.25 फीसदी से काफी यादा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस तेजी के पीछे मुख्य वजह ईंधन, बिजली और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कीमतों का तेज उछाल है। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि मार्च में महंगाई बढ़ने की प्रमुख वजह कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बेसिक मेटल्स, नॉन-फूड आर्टिकल्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की कीमतों में वृद्धि रही। WPI आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 फीसदी (गिरावट) से बढ़कर मार्च में 1.05 फीसदी हो गई। खासतौर पर कच्चे तेल (क्रूड पेट्रोलियम) में महंगाई 51.57 फीसदी तक पहुंच गई, जो फरवरी में -1.29 फीसदी थी।

मैन्युफैक्चरिंग महंगी, लेकिन खाने-पीने की रफ्तार धीमी

एक तरफ जहां थोक स्तर पर कई चीजें महंगी हुई हैं, वहीं खाने-पीने के मामले में थोड़ी राहत देखने को मिली है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की रफ्तार फरवरी के 2.19 प्रतिशत से घटकर मार्च में 1.90 प्रतिशत पर आ गई। सब्जियों की महंगाई दर भी घटी है, जो फरवरी में 4.73 प्रतिशत थी और मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई। हालांकि, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली बढ़ोतरी हुई है। यह मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 3.21 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से कुछ चुनिंदा खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने की वजह से हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरें तय करने के लिए इसी खुदरा महंगाई पर नजर रखता है। अर्थव्यवस्था की इसी स्थिति को देखते हुए, आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में अपनी मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

पश्चिम एशिया संकट का असर

अमेरिका-इज़राइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट का सीधा असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ा है। 28 फरवरी से अब तक कच्चे तेल के दाम 50 फीसदी से यादा बढ़ चुके हैं। एक महीने के भीतर कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

सरकार का कदम- एक्साइज ड्यूटी में कटौती

तेल कीमतों के असर को कम करने के लिए सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाई, ताकि कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर न डालें।

रिटेल महंगाई भी बढ़ी, आरबीआई ने दरें स्थिर रखीं

इससे पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई मार्च में बढ़कर 3.4 फीसदी हो गई, जो फरवरी में 3.21 फीसदी थी। रिजर्व बैंक ने हाल ही में अपनी द्वैमासिक मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को यथावत रखा है। केंद्रीय बैंक मुख्य रूप से खुदरा महंगाई के आधार पर ही नीतिगत दरों का फैसला करता है। कुल मिलाकर, ईंधन और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने थोक महंगाई को ऊपर धकेला है, जबकि खाद्य महंगाई में थोड़ी नरमी देखने को मिली है।

भारत के निर्यात में शानदार बढ़ोतरी, लेकिन पश्चिम एशिया संकट ने दिखाया असर

नई दिल्ली । वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात 4.22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब डॉलर के शानदार स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण मार्च महीने में देश के व्यापार को तगड़ा झटका लगा है। वाणिय सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा जारी व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते मार्च में कुल निर्यात 7.44 प्रतिशत तक गिर गया है। इन वैश्विक चुनौतियों और उतार-चढ़ाव के बीच एक राहत भरी खबर यह है कि भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता मई महीने में लागू होने की उम्मीद है। वाणिय सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत का व्यापारिक प्रदर्शन कुल मिलाकर सकारात्मक रहा है। देश का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर) 4.22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

अगर इसे अलग-अलग देखा जाए, तो वस्तुओं का निर्यात 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 441.78 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवाओं का निर्यात लगभग 418.31 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। निर्यात के साथ-साथ आयात में भी इजाफा हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025-26 के दौरान कुल आयात 774.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो कि पिछले साल के 721.2 अरब डॉलर के मुकाबले अधिक है। हालांकि सालाना आंकड़े बेहतर हैं, लेकिन हाल ही में पश्चिम एशिया में शुरू हुए संकट ने व्यापार को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इस भू-राजनीतिक तनाव के चलते मार्च महीने में भारत का कुल निर्यात 7.44 प्रतिशत घटकर 38.92 अरब डॉलर रह गया। वाणिय सचिव ने स्पष्ट किया कि इस संघर्ष के कारण केवल मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) क्षेत्र में होने वाले निर्यात में 57.95 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र से आने वाले सामानों यानी आयात में भी मार्च महीने के दौरान 51.64 प्रतिशत की बड़ी कमी आई है। इन वैश्विक चुनौतियों के बीच व्यापार जगत के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। वाणिय सचिव राजेश अग्रवाल ने व्यापार आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट या एफटीए) जल्द ही धरातल पर उतर सकता है। इस महत्वपूर्ण समझौते के मई महीने में लागू होने की उम्मीद है, जिससे आने वाले समय में देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को एक नई गति मिलने की संभावना है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर कानूनी टकराव- अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री नियमों पर फंसा पेंच, तेल आपूर्ति संकट कायम

नई दिल्ली ।

वैश्विक तेल आपूर्ति के 20 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि गहरे कानूनी विवादों में भी उलझा हुआ है। दोनों देश इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के संचालन के लिए अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय कानूनों का हवाला दे रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में माल ढुलाई और कच्चे तेल के व्यापार पर अनिश्चितता काफी बढ़ गई है।

कानूनी व्याख्याओं की अलग-अलग दुनिया

समुद्री कानून के विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान दोनों ही लॉ ऑफ द सी (समुद्री कानून) के मामले में दो अलग-अलग वैचारिक दुनिया में जी रहे हैं। वाशिंगटन होर्मुज को पूरी तरह से एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानता है, जबकि तेहरान इसे अपने क्षेत्रीय जल का हिस्सा मानता है। इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से ईरान द्वारा टोल वसूलने को अमेरिका अवैध मानता है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई नाकेबंदी को ईरान अपनी संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन बता रहा है।

UNCLOS समझौते का अभाव और नियमों की कमी

विवाद की मुख्य जड़ 1982 में तैयार और 1994 में लागू हुई संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि से जुड़ी है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के लिए सुचारू नियम तय करना था। दिलचस्प बात यह है कि 171 देशों और यूरोपीय संघ द्वारा इस संधि को लागू किए जाने के बावजूद, अमेरिका और ईरान दोनों ने ही अब तक इसे औपचारिक रूप से लागू नहीं किया है। इसके चलते युद्ध के इस मौजूदा माहौल में दोनों देशों के बीच ऐसा कोई सर्वमान्य नियम नहीं है जिसके आधार पर विवाद को सुलझाया जा सके।

इनोसेंट पैसेज बनाम ट्रांजिट पैसेज का संघर्ष

ईरान पुराने अंतरराष्ट्रीय मानकों (जैसे 1958 टेरिटोरियल सीज कन्वेंशन) का हवाला देते हुए विदेशी जहाजों को केवल इनोसेंट पैसेज (शांतिपूर्ण मार्ग) का अधिकार देता है।

इसके तहत विदेशी जहाज बिना किसी सुरक्षा को नुकसान पहुंचाए गुजर सकते हैं, लेकिन ईरान मानता है कि वह अपने क्षेत्रीय जल में इस मार्ग को निलंबित कर सकता है। इसके विपरीत, अमेरिका NCLOS के नए नियमों के तहत ट्रांजिट पैसेज की मांग करता है। यह नियम तटीय देशों के नियंत्रण को सीमित करता है और निर्बाध नौवहन, विमानों की उड़ान और पनडुब्बियों की आवाजाही सुनिश्चित करता है। अमेरिका अपने इस रुख को फ्रीडम ऑफ नेविगेशन गश्त के जरिए नियमित रूप से लागू करने की कोशिश करता है और ईरान के दावों को खारिज करता है। वहीं, तेहरान का तर्क है कि वह शुरुआत से ही इन नए नियमों का विरोध करता आया है, इसलिए उस पर ये नियम लागू नहीं होते।

आगे का रास्ता और व्यापारिक दृष्टिकोण

होर्मुज जलडमरूमध्य में मौजूदा सैन्य स्थिति और आर्थिक व्यवधान इस जटिल कानूनी लड़ाई का ही एक हिस्सा हैं। जब तक दोनों देश किसी साझा कानूनी ढांचे पर सहमत नहीं होते और उसका पालन करने की प्रतिबद्धता नहीं दिखाते, तब तक इस जलमार्ग की स्थिति अस्थिर बनी रहेगी। इस कानूनी गतिरोध के लंबे खिंचने का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे तेल की सुचारू आपूर्ति पर पड़ेगा।

तेल कंपनियों का घाटा बढ़ा, पेट्रोल पर 18 डीजल पर 35 रुपये/लीटर का नुकसान; चुनाव के बाद समीक्षा संभव

नई दिल्ली ।

चुनाव के बाद सरकार कर सकती है पेट्रोल-डीजल कीमतों की समीक्षा कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है। तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर करीब 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

मार्च में हुए भारी घाटे ने जनवरी और फरवरी के मुनाफे को लगभग खत्म कर दिया है, जिसके चलते जनवरी-मार्च तिमाही में इन कंपनियों के नुकसान में जाने की आशंका जताई जा रही है। वित्तीय सेवा कंपनी मैक्वेरी की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत 135-165 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो यह घाटा और बढ़ने की आशंका है। क्रूड में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से प्रति लीटर नुकसान करीब 6 रुपये तक बढ़ सकता है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने अप्रैल 2022 के बाद खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। मार्च तक तीनों कंपनियों का संयुक्त दैनिक नुकसान करीब 2,400 करोड़ रुपये था। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद ये घटकर रोजाना लगभग 1,600 करोड़ रह गया है। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद कच्चे तेल के झटकों को काफी हद तक संभाल सकती है। हालांकि, अगर औसत मूल्य 130 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहता है तो देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 0.8 फीसदी कम हो सकती है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के अनुसार, 2026-27 के दौरान तेल कंपनियों की परिचालन आय में 15 से 25 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। इसके चलते कॉरपोरेट कर्ज और बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। बैंकों का एनपीए बढ़कर 3.5 फीसदी तक पहुंच सकता है।

बिना खेले चला धोनी मैजिक! नूर अहमद से की थी लंबी बातचीत; अफगानी स्पिनर ने फिर केकेआर के खिलाफ किया कमाल

चेन्नई ।

महेंद्र सिंह धोनी भले ही चोटिल होने के कारण आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक नहीं खेल पाए हैं, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रदर्शन में उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है जिसकी एक बानगी स्पिनर नूर अहमद के कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच विजेता प्रदर्शन में देखने को मिली। अफगानिस्तान के बाएं हाथ की कलाई के स्पिनर नूर इस मैच से पहले तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और उन्होंने चार मैचों में केवल एक विकेट लिया था। लेकिन नेट पर अभ्यास के दौरान धोनी से लंबी बातचीत के बाद उनके खेल में बदलाव देखने को मिला। उन्होंने केकेआर के खिलाफ चार ओवरों में 21 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और कैमरन ग्रीन के विकेट लेकर सीएसके की 32 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। पिच से गेंदबाजों को यादा मदद नहीं मिल रही थी, लेकिन नूर बल्लेबाजों पर हावी होने में कामयाब रहे। सीएसके के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की मैच से पहले धोनी के साथ हुई बातचीत के बारे में बात की। धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। श्रीराम ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, विकेट से थोड़ी मदद मिल रही थी। केकेआर के खिलाफ उनकी गेंद की गति हवा में थोड़ी धीमी थी। गेंद पर साइड स्पिन यादा थी और ड्रॉप भी यादा था। इस पर वह काम कर रहे हैं। धोनी ने अभ्यास सत्र के दौरान उनसे काफी देर तक बात की और उन्हें लेग अधिक ब्रेक करने के लिए प्रेरित किया। मुझे लगता है कि उससे मदद मिली और इसके परिणाम सबके सामने हैं। श्रीराम ने वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन और नूर के संयोजन पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वे एक-दूसरे के पूरक हैं। वे दोनों आपस में बहुत अछे से संवाद भी करते हैं। उनके बीच आपस में अछी समझ है। अकील ने ही नूर को सही लेंथ बताई। एक बार नूर को जब सही लेंथ मिल गई, तो उन्हें खेलना लगभग असंभव हो गया।

चार हार के बाद बीसीसीआई की मार! केकेआर के कप्तान रहाणे पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई । आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। टीम जहां पांच मैचों में जीत का खाता नहीं खोल पाई है, वहीं कप्तान अजिंक्य रहाणे की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। खराब प्रदर्शन के बीच अब उन पर बीसीसीआई ने जुर्माना भी ठोका है। बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने रहाणे को आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दंडित किया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान स्लो ओवर रेट बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। आगे बताया गया, यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध है, इसलिए उन्हें 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रहाणे की कप्तानी में केकेआर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। ताजा मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी टीम को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे दबाव और बढ़ गया है। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। स्पिनर नूर अहमद ने 3/21 के आंकड़े के साथ केकेआर की कमर तोड़ दी, जबकि अंशुल कंबोज ने 2 विकेट लेकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 192/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया और फिर गेंदबाजों के दम पर केकेआर को 160/7 पर रोक दिया।। केकेआर की बल्लेबाजी एक बार फिर नाकाम रही। टीम ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन में बदलाव करते हुए सुनील नरेन और फिन एलेन को भेजा, लेकिन यह दांव भी सफल नहीं हुआ। पावरप्ले में ही टीम 36/2 पर सिमट गई, जो 2024 के बाद सबसे खराब शुरुआत में से एक है। रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन बड़े शॉट्स की कमी और लगातार विकेट गिरने से टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गई। अंत में रमणदीप सिंह (35) और रोवमैन पॉवेल (31*) ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। केकेआर के लिए अब आगे का सफर आसान नहीं है। टीम को जल्द ही अपनी रणनीति और संयोजन में बदलाव करना होगा, वरना प्लेऑफ की उम्मीदें शुरुआती दौर में ही खत्म हो सकती हैं। रहाणे के लिए यह समय कप्तानी और व्यक्तिगत प्रदर्शन दोनों को सुधारने का है, क्योंकि लगातार हार और अब जुर्माना टीम के माहौल पर भी असर डाल सकता है।

आईपीएल के चलते-फिरते पांच सितारा होटल! टीम बस की कीमत करोड़ों में, पर इसका अंदरूनी सच जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अगर आप सोचते हैं कि टीम बस सिर्फ खिलाड़ियों को होटल से स्टेडियम तक ले जाने का जरिया होती है, तो आप गलत हैं। ये बसें असल में चलते-फिरते फाइव स्टार होटल हैं, जिन्हें खास तौर पर खिलाड़ियों की सुविधा, आराम और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाता है। इन बसों में खिलाड़ियों को वही सुविधाएं मिलती हैं, जो किसी लग्जरी लाउंज या प्राइवेट स्पेस में मिलती हैं।

आईपीएल टीम बस की कीमत साधारण बसों से कई गुना यादा होती है। एक फ्रेंचाइजी अपनी जरूरत, कस्टमाइजेशन, ब्रांडिंग और टेक्नोलॉजी के आधार पर एक बस पर लगभग 70 लाख से 1.5 करोड़ रुपये तक खर्च करती है। यानी औसतन देखा जाए तो एक बस की कीमत करीब एक करोड़ रुपये के आसपास होती है। जितना यादा लग्जरी और हाई-टेक फीचर्स, उतनी ही यादा इसकी कीमत बढ़ती जाती है।

क्यों इतनी महंगी होती हैं ये बसें?

ये बसें आम कमर्शियल कोच जैसी नहीं होतीं। इन्हें पूरी तरह से मॉडिफाई किया जाता है। टीमें प्रीमियम बस मैन्युफैक्चरर्स के साथ मिलकर इनका इंटीरियर डिजाइन करती हैं, ताकि खिलाड़ियों को यात्रा के दौरान आरामदायक और रिलैक्स माहौल मिल सके। इसमें एडवांस सीटिंग सिस्टम, हाई-टेक एंटरटेनमेंट और स्मूद ट्रैवल के लिए बेहतर सस्पेंशन भी हैं। इन सभी चीजों की वजह से लागत काफी बढ़ जाती है।

ब्रांडिंग भी बढ़ाती है कीमत

आईपीएल में हर चीज ब्रांडिंग से जुड़ी होती है और टीम बस भी इसका अहम हिस्सा है। हर बस को टीम के रंग, स्पॉन्सर लोगो और खिलाड़ियों की तस्वीरों से सजाया जाता है। इससे यह सिर्फ ट्रांसपोर्ट नहीं रहती, बल्कि पूरे सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी की चलती-फिरती पहचान बन जाती है।

बस के अंदर मिलती हैं ये शानदार सुविधाएं

अगर आप आईपीएल टीम बस के अंदर जाएं, तो यह किसी लग्जरी लाउंज से कम नहीं लगेगी। खिलाड़ियों के लिए इसमें चौड़ी और रिक्लाइनिंग सीट्स, एक्स्ट्रा लेगरूम, पर्सनल चार्जिंग पोर्ट और कभी-कभी मसाज फंक्शन वाली सीट्स मिलती हैं। इसके अलावा बस में हाई-स्पीड वाई-फाई, एलईडी स्क्रीन और प्रीमियम साउंड सिस्टम भी लगी होती हैं। कई टीम बसों में मिनी फ्रिज भी होते हैं, जिनमें ड्रिंक्स रखे जाते हैं। साथ ही एम्बिएंट लाइटिंग और क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम खिलाड़ियों को हर मौसम में आरामदायक माहौल देता है।

मैच के दिन सुरक्षा का खास इंतजाम

इन बसों की कीमत यादा होने का एक बड़ा कारण सुरक्षा भी है। मैच के दिन टीम बसें कड़ी सुरक्षा के बीच चलती हैं और कई बार पुलिस एस्कॉर्ट भी साथ होता है। रूट पहले से प्लान किए जाते हैं ताकि ट्रैफिक या देरी की समस्या न हो और टीम समय पर स्टेडियम पहुंचे।

एक नहीं, कई बसों का इस्तेमाल

अक्सर फ्रेंचाइजी एक से यादा बसों का इस्तेमाल करती हैं। एक बस खिलाड़ियों के लिए और दूसरी सपोर्ट स्टाफ के लिए। इसके अलावा तीसरी बस भी होती है, जो उपकरणों (इक्विपमेंट) के लिए होती है। इससे टीम का मूवमेंट बेहतर और व्यवस्थित रहता है।

ड्रेसिंग रूम का एक्सटेंशन बन चुकी हैं बसें

समय के साथ आईपील बसें सिर्फ ट्रांसपोर्ट का साधन नहीं रहीं, बल्कि ड्रेसिंग रूम का एक्सटेंशन बन गई हैं। खिलाड़ी इन बसों में मैच रणनीति पर चर्चा करते हैं, म्यूजिक सुनते हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं। तेज रफ्तार वाले आईपीएल सीजन में ये छोटे-छोटे सफर भी टीम बॉन्डिंग के लिए बेहद अहम हो जाते हैं।

आईपीएल इकोसिस्टम का अहम हिस्सा

आज के दौर में आईपीएल फ्रेंचाइजी की वैल्यू और फैन एंगेजमेंट लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ये लग्जरी बसें सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि टीम की पहचान, ब्रांड वैल्यू और परफॉर्मेंस का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

क्या शोएब मलिक और सना जावेद बने माता-पिता? वायरल तस्वीरों की सचाई आई सामने

नई दिल्ली । हाल ही में शोएब मलिक और सना जावेद को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ी खबर वायरल हो गई। कुछ तस्वीरों में दोनों एक नवजात बच्चे के साथ नजर आए, जिसके बैकग्राउंड में वेलकम बेबी सैय्यारा लिखा हुआ था। इन तस्वीरों के सामने आते ही इंटरनेट पर शोएब मलिक बेबी न्यूज और सना जावेद बेबी ट्रुथ जैसे सर्च तेजी से ट्रेंड करने लगे और फैंस के बीच चर्चा शुरू हो गई कि क्या इस कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। जब इन वायरल तस्वीरों की पड़ताल की गई, तो एक अहम बात सामने आई। ये तस्वीरें किसी निजी या आधिकारिक अकाउंट से नहीं, बल्कि एक प्रमोशनल या ब्राइडल शूट से जुड़े इंस्टाग्राम पेज से शेयर की गई थीं। इससे साफ हो गया कि ये तस्वीरें किसी पर्सनल मोमेंट की नहीं, बल्कि एक शूट का हिस्सा हैं। यही वजह है कि इनकी प्रामाणिकता पर शुरुआत से ही सवाल उठने लगे। इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह है कि न तो शोएब मलिक और न ही सना जावेद ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी बच्चे के जन्म की घोषणा की है। आमतौर पर सेलिब्रिटी इस तरह की बड़ी खुशखबरी खुद साझा करते हैं, लेकिन यहां ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, जो इन दावों को और संदिग्ध बनाता है। अगर यह खबर सच होती, तो पाकिस्तान के बड़े और विश्वसनीय मीडिया संस्थान जरूर इसे कवर करते। लेकिन अब तक किसी भी प्रतिष्ठित मीडिया हाउस ने इस खबर की पुष्टि नहीं की है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि यह दावा फैक्ट-चेक के मानकों पर खरा नहीं उतरता और ये वायरल तस्वीरें एडिटेड या फैन-मेड हो सकती हैं। यह पहला मौका नहीं है जब शोएब मलिक को लेकर इस तरह की अफवाहें फैली हों। इससे पहले भी उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई गलत खबरें सामने आ चुकी हैं, जिनमें चौथी शादी की अफवाह भी शामिल थी। खुद मलिक इन अफवाहों को खारिज कर चुके हैं, जिससे यह साफ होता है कि उनके नाम पर बार-बार भ्रामक खबरें फैलती रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस खबर ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि कैसे क्लिकबेट और वायरल कंटेंट की होड़ में बिना पुष्टि वाली खबरें तेजी से फैल जाती हैं।

एक्सेलसन ने पेशेवर बैडमिंटन से लिया संन्यास; दो-दो बार ओलंपिक और विश्व चैंपियन रह चुके

कोपेनहेगन ।

दुनिया के दिग्गज शटलर और दो बार के ओलंपिक और दो बार के विश्व चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 32 साल की उम्र में लिया गया यह फैसला खेल जगत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एक्सेलसन ने यह निर्णय लंबे समय से चल रही पीठ की गंभीर चोट के कारण लिया, जिसने पिछले दो वर्षों से उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया था। एक्सेलसन ने अपने संन्यास के पीछे की वजह साफ करते हुए कहा कि अब उनका शरीर उन्हें खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर संन्यास का एलान करते हुए लिखा, जैसा कि यादातर लोग जानते हैं, मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और उसके बाद लंबा रिहैबिलिटेशन चला, लेकिन अक्तूबर में मुझे फिर से झटका लगा। तब से मैं उस स्तर पर खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पा रहा हूं, जैसा जरूरी है। दर्द की वजह से मैं खेल नहीं पा रहा हूं और इसी कारण मुझे यह बेहद कठिन फैसला लेना पड़ा।

एक्सेलसन ने बताया कि यह फैसला उन्होंने डॉक्टरों और सर्जन की सलाह के बाद लिया है। उन्होंने कहा, यह फैसला मैंने अपने सर्जन और डॉक्टरों से सलाह लेकर लिया है। उनका कहना है कि जिस तरह का दर्द मैं अभी महसूस कर रहा हूं, उसमें फिर से सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। अगर वह सफल नहीं होती, तो और गंभीर ऑपरेशन करना पड़ सकता है। ऐसे में मैं उस स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगा। यह मेरा शरीर है जो मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे डॉक्टरों

की सलाह माननी होगी। एक्सेलसन ने बहुत कम उम्र में ही अपने टैलेंट का लोहा मनवा दिया था। 2010 में उन्होंने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रचा और ऐसा करने वाले पहले यूरोपीय खिलाड़ी बने। उसी साल उन्होंने सीनियर स्तर पर डेब्यू किया और साइप्रस इंटरनेशनल खिताब जीतकर अपने करियर की दमदार शुरुआत की। 2014 में उन्होंने स्विस ओपन ग्रां प्री गोल्ड जीतकर अपनी पहचान और मजबूत की। इसी साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। 2016 में उन्होंने इतिहास रचते हुए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड सुपरसीरीज फाइनल्स में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले यूरोपीय खिलाड़ी बने। एक्सेलसन का करियर ओलंपिक में शानदार रहा। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में महान लिन डैन को हराकर कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा टोक्यो 2020 में उन्होंने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2024 पेरिस ओलंपिक में उन्होंने अपना टाइटल डिफेंड किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया था।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड जीतना उनके करियर का सबसे बड़ा मुकाम रहा, जिसने उन्हें बैडमिंटन सुपरस्टार बना दिया। वह 2017 में ग्लासगो और 2022 में टोक्यों में विश्व चैंपियन का खिताब भी जीत चुके हैं। विक्टर एक्सेलसन लंबे समय तक दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी रहे। अक्तूबर 2023 में उन्होंने लगातार 100 हफ्तों तक शीर्ष रैंकिंग पर रहने का रिकॉर्ड भी बनाया। इसके अलावा, उन्होंने दो वर्ल्ड चैंपियनशिप, तीन यूरोपियन चैंपियनशिप और थॉमस कप जैसे बड़े खिताब भी अपने नाम किए। संन्यास की घोषणा करते समय एक्सेलसन भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा, यह फैसला लेना बेहद मुश्किल था और कई बार यह अनुचित भी लगा। लेकिन मेरा शरीर कई वर्षों तक शानदार प्रदर्शन करता रहा है और मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे इतने बड़े टूर्नामेंट खेलने और जीतने का मौका मिला। बहुत कम लोग ऐसा अनुभव कर पाते हैं। इसलिए मैं अपने करियर को खुशी के साथ याद करता हूं। एक्सेलसन का संन्यास बैडमिंटन के लिए एक युग के अंत जैसा है। उनकी फिटनेस, तकनीक और निरंतरता ने उन्हें आधुनिक दौर के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल किया। उनके जाने से पुरुष एकल वर्ग में एक बड़ा खालीपन पैदा होगा, जिसे भरना आसान नहीं होगा।

जिला परिषद से संबंधित विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करवाए संबंधित अधिकारी - मोनिका दहिया

सोनीपत। जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका दहिया ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य तय समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से एसडीओ/जेई को निर्देश दिए कि वे विकास कार्यों के एस्टीमेट जल्द से जल्द तैयार कर विभाग को भिजवाएं, ताकि कार्यों को शीघ्र गति दी जा सके। श्रीमति मोनिका दहिया की अध्यक्षता में बुधवार को जिला परिषद सोनीपत सदन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन जिला परिषद हॉल में किया गया। बैठक के दौरान विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो विकास कार्यों के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाली सामग्री का भी विशेष ध्यान रखे, कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी न मिलने पाए। उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि जिला परिषद से होने वाले किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले संबंधित पार्षद को अवगत करवाए। उन्होंने कहा कि जिला परिषद के तहत आने वाले सभी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और आमजन को इनका लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर किसी भी पार्षद को किसी भी तरह की कोई समस्या आने पर वो उनसे सम्पर्क करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो जिला परिषद से संबंधित कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही करने वाले अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान डीडीपीओ मनीष मलिक, रोडवेज जीएम संजय सिंह, एक्सीईन पंचायती राज कुलबीर, बीडीपीओ राजेश व दिगंबर व अन्य सभी संबंधित अधिकारी व पार्षदगण मौजूद रहे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने जिला की मंडियों का किया निरीक्षण

चंडीगढ़।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बुधवार को जिला रोहतक में महम, रोहतक व सांपला मंडियों का निरीक्षण करते हुए कहा कि सरकार किसानों की फसल खरीद प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह में फसल आवक के चलते मंडियों में अत्यधिक व्यस्तता है, लेकिन प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि किसानों व आढ़तियों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाने की कोई कमी नहीं है और फसल उठान में हो रही दिक्कत को भी दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते दबाव को देखते हुए गेट पास प्रणाली में सुधार किया गया है। अब एंट्री और आउटसाइड गेट पास को अलग-अलग कर दिया गया है, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति में सुधार होगा और कार्य तेजी से हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फसल का सीजन

कृषि मंत्री ने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश
-प्रदेश सरकार फसल खरीद प्रक्रिया को सुचारू व पारदर्शी बनाने के लिए है प्रतिबद्ध

अब कम समय में सिमट गया है, जिससे एक साथ अधिक मात्रा में फसल मंडियों में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में नई व्यवस्थाएं लागू की गई है। इन व्यवस्थाओं से किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में सीधे भुगतान की व्यवस्था एक बड़ा सुधार है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और किसानों को सीधा लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से निर्णय लिए जाते हैं, ताकि सभी हितधारकों को लाभ मिल सके। मंडियों में खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक रिकॉर्ड रखे जाते हैं। ओलावृष्टि और बारिश से फसल को हुए नुकसान के संदर्भ में कृषि मंत्री ने कहा कि फसलों को हुए नुकसान की सूचना मिलने पर सरकार द्वारा इसका आंकलन करवाकर किसानों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने फसल सीजन से पहले ही मंडियों में पक्के रास्ते, शेड और अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि किसानों को फसल बिक्री के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि वे अब तक पंचकूला, अंबाला, जींद, रोहतक, पानीपत सहित कई जिलों की मंडियों का दौरा कर चुके हैं और पूरे अप्रैल माह में निरीक्षण जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल खरीद, उठान और भुगतान प्रक्रिया को और अधिक तेज व सुचारू बनाया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि किसी मंडी में तोल या अन्य व्यवस्थाओं को लेकर शिकायत मिलती है, तो उसे तुरंत ठीक किया जाएगा, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा जिला स्तर पर की गई विशेष प्रचार अभियान की शुरूआत

सोनीपत। (संवाददाता) सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर विशेष प्रचार अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त नेहा सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर प्रचार वैन को रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी सशक्त भूमिका निभा सकें। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ रही है और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वरोजगार, सुरक्षा एवं सामाजिक सम्मान जैसे विषयों पर महिलाओं को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया है, जो जिला के गांव-गांव तक पहुंचकर महिलाओं को योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान को पूरी गंभीरता व प्रभावशीलता के साथ संचालित किया जाए।

साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक गांव में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी हो और उन्हें

योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि महिलाओं को किसी भी योजना का लाभ लेने में कोई कठिनाई न हो और उन्हें समय पर उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राकेश गौतम ने बताया कि अभियान के तहत विभागीय भजन व सांस्कृतिक पार्टियां गांव-गांव जाकर लोकगीत, नुक्कड़ नाटक व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति वंदन अभियान व महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगी। ताकि यादा से यादा महिलाएं पात्र योजनाओं का लाभ उठा सके।

***उपायुक्त नेहा सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर किया प्रचार वैन को रवाना**
***विभागीय भजन व सांस्कृतिक पार्टियां गांव-गांव जाकर करेंगी महिला सशक्तिकरण को लेकर चलाई गई योजनाओं का प्रचार-प्रसार-डीआईपीआरओ राकेश गौतम**

हरियाणा में पूर्व सैनिकों एवं परिवारों के लिए समर्पित कॉल सेंटर स्थापित

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के कर्मियों तथा उनके परिवारों की समस्याओं के समाधान तथा विभिन्न योजनाओं के संबंध में उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा एक समर्पित कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजेन्द्र कुमार ने बताया कि पूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के कर्मियों तथा उनके परिजनों को विभिन्न सेवाओं, योजनाओं एवं सुविधाओं से संबंधित जानकारी सहज एवं शीघ्र उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार हरियाणा में पूर्व सैनिकों के लिए समर्पित कॉल सेंटर की स्थापना की गई है।

मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर आने वाले गेंहू का योजनाबद्ध तरीके से तुरंत करवाएं उठान-उपायुक्त नेहा सिंह

(संवाददाता)

सोनीपत। उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों व खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर आने वाले गेहूं का योजनाबद्ध तरीके से तत्काल उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि फसल की आवक बढऩे के साथ ही परिवहन, भंडारण और लोडिंग-अनलोडिंग की व्यवस्था पहले से ही सुदृढ़ रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में उठान प्रक्रिया पूर्ण करें ताकि, मण्डियों में जाम की स्थिति न बने और किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान मिल सके।

***-गेंहू में आग लगने की घटना होने पर संबंधित अधिकारी तुरंत मुख्यालय भेजे रिपार्ट, ताकि किसानों को मिल सके मुआवजा**
***-सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र की मण्डियों और खरीद केन्द्र का समय-समय पर करें निरीक्षण, ताकि किसानों को न आए कोई समस्या**
***-गेंहू की खरीद व उठान की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता ने वीसी के माध्यम से उपायुक्तों के साथ की बैठक**

गेंहू की खरीद व उठान की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता ने वीसी के माध्यम से उपायुक्तों के साथ बैठक की। इस दौरान उपायुक्त नेहा सिंह ने उन्हें अवगत करवाया कि जिला में गेंहू की खरीद व उठान सुचारू रूप से करवाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा हर स्थिति पर वे स्वयं नजर बनाए रखे है कहीं भी किसी प्रकार की समस्या आती है तो तुरंत उनके द्वारा एक्शन लेते हुए उस समस्या का तुरंत समाधान करवाया जाता है। उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि गेहूं में आग लगने की किसी भी घटना की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करें और बिना देरी किए विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को भेजना सुनिश्चित करें, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा मिल सके। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि फायर ब्रिगेड व अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई की जाए, जिससे नुकसान को न्यूनतम किया जा सके और किसानों को राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र की मण्डियों एवं खरीद केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान खरीद प्रक्रिया, उठान, साफ-सफाई, पेयजल, छाया एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। उपायुक्त ने अधिकारियों को किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, सुचारू एवं किसान हितैषी बनी रहे।